RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
03
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति (SIDE) रिपोर्ट, 2025 / State of India's Digital Economy (SIDE) Report, 2025

संदर्भ:

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER) के प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकोनॉमी (CIDE) ने हाल ही में **'स्टेट ऑफ इंडियाज़ डिजिटल इकोनॉमी 2025' रिपोर्ट** का तीसरा संस्करण जारी किया।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

वैश्विक निष्कर्ष:

- वैश्विक **AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) दौड़** में **अमेरिका और चीन** सबसे आगे हैं।
- **दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और नीदरलैंड** भी अग्रणी देशों में शामिल हैं।

भारत से जुड़े निष्कर्ष:

1. **AI में भारत की स्थिति (32 देशों में):**
   - **AI अनुसंधान (AI Research):** 11वां स्थान।
   - **AI अवसंरचना (AI Infrastructure):** 16वां स्थान।
2. **डिजिटलीकरण में भारत की स्थिति:**
   - अमेरिका और चीन के बाद **भारत दुनिया का तीसरा सबसे डिजिटल देश** है।
   - देश और उपयोगकर्ता-स्तर (country-level और user-level) के डिजिटलाइजेशन स्कोर को मिलाने पर, **भारत G32 समूह में 8वें स्थान** पर आता है।
   - यह दिखाता है कि **हालांकि भारत में डिजिटल उपयोगकर्ताओं की संख्या अधिक है**, लेकिन औसत उपयोगकर्ता का डिजिटलीकरण सीमित स्तर पर है।
3. **डिजिटल सेवाओं की पहुंच और प्रभाव:**
   - डिजिटल सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं, लेकिन इनका उपयोग और प्रभाव **सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया** है।
4. **AI प्रतिस्पर्धा में भारत की संभावनाएं:**
   - भारत में **अमेरिका और चीन की मौजूदा बढ़त को चुनौती देने की क्षमता** है।
   - **AI अनुसंधान और अवसंरचना में निवेश बढ़ाने और लक्षित नीतियों को अपनाने से भारत वैश्विक AI प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है।**

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति (SIDE) रिपोर्ट:

डच निवेश फर्म **Prosus** और थिंक टैंक **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER)**

ICRIER Indian Council for Research on International Economic Relations

मुख्य बिंदु:

1. **SIDE 2025 रिपोर्ट:**
   - यह रिपोर्ट भारत और अन्य देशों में डिजिटलीकरण के पैमाने और गहराई को मापने के लिए **CHIPS (Connect-Harness-Innovate-Protect-Sustain)** रूपरेखा का उपयोग करती है।
2. **CHIPS रूपरेखा के घटक:**
   - **Connect (कनेक्ट)** – डिजिटल अवसंरचना और कनेक्टिविटी का विस्तार।
   - **Harness (हर्नेस)** – डिजिटल संसाधनों और नवाचारों का प्रभावी उपयोग।
   - **Innovate (इनोवेट)** – तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना।
   - **Protect (प्रोटेक्ट)** – डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को सुनिश्चित करना।
   - **Sustain (सस्टेन)** – डिजिटल अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाना।
3. **रिपोर्ट का महत्व:**
   - यह न केवल तकनीकी बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था और नीतिगत पहलुओं को भी शामिल करती है।
   - डिजिटल परिवर्तन के विभिन्न कारकों का समग्र मूल्यांकन करती है।

यह रिपोर्ट भारत की डिजिटल प्रगति का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है और नीतिगत सुधारों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है।

ईपीएफओ ने 2024-25 के लिए पीएफ जमा पर 8.25% ब्याज बरकरार रखा / EPFO retains 8.25% interest on PF deposits for 2024-25

संदर्भ:

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के केंद्रीय न्यासी बोर्ड (CBT) ने, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री **मनसुख मांडविया** ने की, अपनी **237वीं बैठक** में वित्तीय वर्ष **2024-25** के लिए **ब्याज दर 8.25%** बनाए रखने की सिफारिश की। यह दर **7.4 करोड़ से अधिक** अंशदायी ग्राहकों पर लागू होगी।

ईपीएफओ ब्याज दर से जुड़ी मुख्य बातें:

- **ब्याज दर बरकरार**: लोकसभा चुनाव से पहले बढ़ाई गई ईपीएफ ब्याज दर (8.25%) को इस साल भी बरकरार रखा गया।
- **वित्तीय अस्थिरता का ध्यान**: बाजार में संभावित अस्थिरता और आरबीआई के रेपो रेट कट (6.25%) के बावजूद ब्याज दर को घटाया नहीं गया।
- **सरप्लस बढ़ा**: 8.25% ब्याज दर बनाए रखने से ईपीएफओ के पास अनुमानित **₹5,300 करोड़** का अधिशेष रहेगा, जो पिछले साल ₹300 करोड़ था।
- **कटौती पर विचार लेकिन फैसला बरकरार**: वित्त मंत्रालय की सतर्कता के बावजूद पहले 8.20% करने पर विचार हुआ, लेकिन बाद में इसे 8.25% रखा गया।
- **ब्याज बढ़ाने की मांग**: कुछ ट्रेड यूनियनों ने ब्याज दर **8.30%** करने की मांग की थी।
- **पूर्व ब्याज दरों का इतिहास**:
  - 2019-20 और 2020-21: **8.5%**
  - 2021-22: **8.1%** (चार दशक में सबसे कम)
  - 2022-23: **8.15%**

Year	EPFO Interest Rate
2010-11	9.50%
2011-12	8.25%
2012-13	8.50%
2013-14	8.75%
2014-15	8.75%
2015-16	8.80%
2016-17	8.65%
2017-18	8.55%
2018-19	8.65%
2019-20	8.50%
2020-21	8.50%
2021-22	8.10%
2022-23	8.15%
2023-24	8.25%
2024-25*	8.25%

as recommended by CBT, to be approved by Finance Ministry

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के बारे में

- **स्थापना:** **EPFO** एक वैधानिक निकाय है, जो **कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952** के तहत स्थापित किया गया।
- **प्रशासन:** इसका संचालन **केंद्रीय भविष्य निधि न्यासी बोर्ड (Central Board of Trustees, EPF)** द्वारा किया जाता है, जिसमें **केंद्र सरकार, राज्य सरकार, नियोक्ता और कर्मचारी** के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- **योजना:** यह संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए **भविष्य निधि (Provident Fund), पेंशन योजना और बीमा योजना** का प्रबंधन करता है।
- **भविष्य निधि (Provident Fund):**
  - एक वित्तीय योजना जो **कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ** प्रदान करने के लिए बनाई गई है।
  - इसमें नियोक्ता और कर्मचारी दोनों का योगदान होता है, और यह राशि **सेवानिवृत्ति या कुछ विशेष परिस्थितियों में निकासी** के लिए उपलब्ध होती है।
- **प्रशासनिक नियंत्रण: श्रम और रोजगार मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है।

EPFO की योजनाएँ

1. कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (EPF)

- सेवानिवृत्ति या मृत्यु पर **संचित राशि + ब्याज** प्रदान किया जाता है।
- **आंशिक निकासी**: शिक्षा, विवाह, बीमारी और मकान निर्माण के लिए अनुमति।
- **आवास योजना**: "सभी के लिए आवास 2022" लक्ष्य को पूरा करने हेतु सदस्यों को घर खरीदने में मदद।

2. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (EPS)

- **मासिक पेंशन**: वृद्धावस्था, विकलांगता, उत्तरजीवी, विधवा/विधुर और बच्चों को लाभ।
- **न्यूनतम विकलांगता पेंशन** प्रदान की जाती है।
- **1971 की पारिवारिक पेंशन योजना के सदस्यों** को पूर्व सेवा लाभ।

3. कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना, 1976 (EDLI)

- **कर्मचारी की मृत्यु पर बीमा लाभ** दिया जाता है, बशर्ते वह योजना का सदस्य हो।
- **बीमा राशि**: वेतन का **20 गुना**, अधिकतम **₹6 लाख** तक।

हेग सेवा अभिसमय / Hague Service Convention

संदर्भ:

अमेरिकी **सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (SEC)** ने **हेग सेवा अभिसमय (Hague Service Convention)** के तहत भारत के **केंद्रीय विधि मंत्रालय** से **गौतम अडानी और उनके सहयोगियों** को **प्रतिभूति धोखाधड़ी (Securities Fraud) मामले** में समन जारी करने में सहायता मांगी है।

हेग सेवा अभिसमय (Hague Service Convention):

परिचय:

- इसे **"नागरिक या वाणिज्यिक मामलों में न्यायिक और गैर-न्यायिक दस्तावेजों की विदेशों में सेवा के अभिसमय (1965)"** के रूप में जाना जाता है।
- यह एक **बहुपक्षीय संधि (Multilateral Treaty)** है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार कानूनी दस्तावेजों की सेवा (सर्विस) को सुविधाजनक बनाती है।

यह कैसे कार्य करता है?

1. **मानकीकृत प्रक्रिया:** नागरिक और वाणिज्यिक मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी दस्तावेजों की सेवा के लिए एक समान प्रक्रिया तय करता है।
2. **केंद्रीय प्राधिकरण (Central Authority):**
   - प्रत्येक सदस्य देश में एक **केंद्रीय प्राधिकरण** होता है, जो दस्तावेजों की सेवा की प्रक्रिया को सुगम बनाता है।
   - यह प्रणाली **तेजी, पारदर्शिता और प्रतिवादियों (Defendants) के अधिकारों की रक्षा** सुनिश्चित करती है।
3. **वैकल्पिक सेवाएं:** यदि अनुमत हो, तो **डाक सेवाओं (Postal Service)** जैसे वैकल्पिक तरीकों के माध्यम से भी दस्तावेजों की सेवा की जा सकती है।
4. **सीमाएँ:**
   - यह **आपराधिक मामलों (Criminal Cases)** पर लागू नहीं होता।
   - **गैर-हस्ताक्षरकर्ता (Non-Signatory) देशों** पर इसका प्रभाव नहीं पड़ता।

महत्व:

- अंतरराष्ट्रीय विवादों में **न्यायिक प्रक्रिया को सरल और प्रभावी** बनाता है।
- विदेशी प्रतिवादियों तक **निष्पक्ष और उचित तरीके से कानूनी नोटिस पहुंचाने** की सुविधा प्रदान करता है।

हेग सेवा अभिसमय (Hague Service Convention) का कवरेज और प्रमुख विशेषताएँ:

कवरेज के अंतर्गत:

- केवल **नागरिक (Civil) और वाणिज्यिक (Commercial) मामलों** पर लागू होता है।
  - आपराधिक मामलों (Criminal Cases) को शामिल नहीं करता।
- तभी लागू होता है जब अनुरोध करने वाला (Requesting) और प्राप्त करने वाला (Receiving) देश दोनों हस्ताक्षरकर्ता (Signatory) हों।
- **84 देश**, जिनमें भारत और अमेरिका शामिल हैं, इस अभिसमय के पक्षकार हैं।

अभिसमय की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **केंद्रीय प्राधिकरण प्रणाली:** प्रत्येक सदस्य देश को एक **केंद्रीय प्राधिकरण** नामित करना होता है, जो सेवा अनुरोधों को संसाधित करता है।
2. **वैकल्पिक चैनल (Alternative Channels - देश अनुसार भिन्नता):** कुछ देशों में डाक सेवा (Postal Service), राजनयिक और वाणिज्य दूतावास चैनल (Diplomatic & Consular Channels), न्यायिक अधिकारियों (Judicial Officers) के बीच संपर्क, और स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से प्रत्यक्ष सेवा (Direct Service) की अनुमति होती है।
3. **आपत्ति और अस्वीकृति:** किसी देश को **अनुच्छेद 13 (Article 13)** के तहत सेवा अनुरोध को अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि यह उनकी **संप्रभुता (Sovereignty) या सुरक्षा (Security) को खतरे में डालता है।**
4. **सेवा का प्रमाण:** सेवा पूर्ण होने पर **एक पुष्टि प्रमाणपत्र (Acknowledgment Certificate)** अनुरोधकर्ता देश को जारी किया जाता है।
5. **डिफ़ॉल्ट निर्णय सुरक्षा:**
   - यदि **छह महीने के भीतर सेवा निष्पादित नहीं होती**, तो अनुरोधकर्ता देश **अनुच्छेद 15 (Article 15)** के तहत डिफ़ॉल्ट निर्णय (Default Judgment) की मांग कर सकता है।

यह अभिसमय अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं को सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मातृत्व अधिकार / Maternity Entitlements

संदर्भ:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के तहत **मातृत्व लाभों** को सुनिश्चित करने वाले कानूनी प्रावधानों के बावजूद, भारत में अधिकांश **गर्भवती महिलाओं** को हाल के वर्षों में ये लाभ प्राप्त नहीं हुए हैं।

भारत में मातृत्व लाभ योजनाएँ

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) 2013:

- **सभी गर्भवती महिलाओं** को **₹6,000 प्रति बच्चा** प्रदान करने का प्रावधान।
- **औपचारिक क्षेत्र (Formal Sector) की महिलाओं को छोड़कर** सभी को यह लाभ मिलता है।

2. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY):

- **2017 में शुरू की गई**, पहले **एक ही बच्चे** के लिए लाभ दिया जाता था।
- बाद में इसे **दूसरे बच्चे (यदि लड़की हो) पर भी लागू** किया गया।
- **अनौपचारिक क्षेत्र (Informal Sector) की महिलाओं को ₹5,000 की सहायता** दी जाती है।

3. मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 (संशोधित 2017):

- औपचारिक क्षेत्र की महिलाओं को 26 सप्ताह का वेतन सहित मातृत्व अवकाश (Paid Maternity Leave) दिया जाता है।
- जबकि PMMVY के तहत अनौपचारिक क्षेत्र की महिलाओं को मात्र ₹5,000 मिलते हैं।

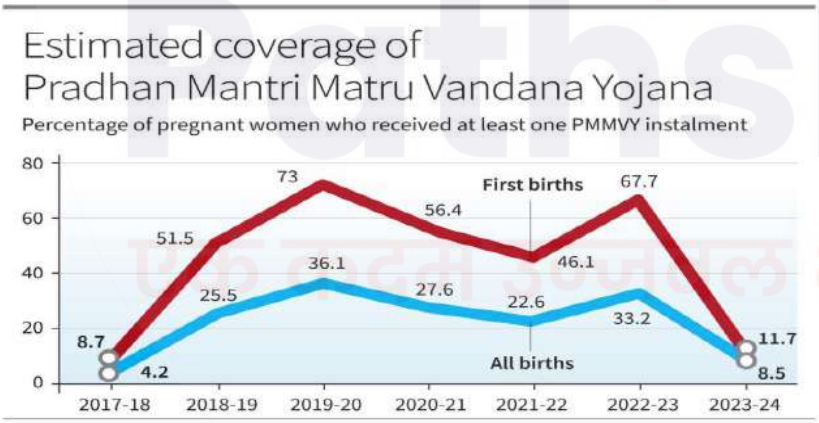

Source: Official PMMVY data obtained under RTI; birth numbers were estimated from birth rates and projected population.

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) से जुड़ी समस्याएँ:

1. पारदर्शिता की कमी (Lack of Transparency):

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women and Child Development) द्वारा **PMMVY की सीमित जानकारी** सार्वजनिक की जाती है।
- यह **सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 के धारा 4** का उल्लंघन करता है, जिसमें **मौलिक जानकारी के स्वप्रसार (Proactive Disclosure) का प्रावधान है।**
- लाभार्थियों की संख्या जैसी महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

2. कवरेज में गिरावट (Declining Coverage):

- RTI आधारित आंकड़ों के अनुसार, **PMMVY का प्रभावी कवरेज तेजी से घटा है**:
  - **2019-20:** अधिकतम **36% महिलाओं को कम से कम एक किस्त मिली।**
  - **2023-24:** यह गिरकर मात्र **9% रह गया।**

3. शर्तों की जटिलता (Associated Conditionalities):

- दूसरी किस्त प्राप्त करने के लिए **कई शर्तें लागू की गई हैं**, जिससे **लाभ प्राप्त करना कठिन हो जाता है।**

4. बजट में कटौती (Budget Cuts):

- केंद्र सरकार का **PMMVY पर खर्च धीरे-धीरे घटा है**:
  - **2018-19:** खर्च **काफी अधिक** था।
  - **2023-24:** केवल **₹870 करोड़**, जो **पांच साल पहले की राशि का मात्र एक-तिहाई** है।

5. अपर्याप्त वित्तीय प्रावधान (Underfunded Scheme):

यदि **90% जन्मों को कवर** करना हो और **₹6,000 प्रति बच्चा** देना हो, तो

- **PMMVY बजट ₹12,000 करोड़ होना चाहिए**,
- लेकिन यह **काफी कम आवंटन के कारण प्रभावी नहीं है।**

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) - तमिलनाडु और ओडिशा में:

1. अधिक वित्तीय सहायता:

- **ओडिशा**: प्रति बच्चा **₹10,000** (2024 चुनाव से पहले **दोगुनी** की गई)।
- **तमिलनाडु**: **₹18,000** (DMK सरकार ने 2021 में **₹24,000** का वादा किया था)।
- **PMMVY**: अभी भी केवल **₹5,000**, जो **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के मानकों से कम** है।

2. बेहतर कार्यान्वयन:

- **ओडिशा**: **64% जन्मों** को कवर किया (2021-22)।
- **तमिलनाडु**: **84% कवरेज** (2023-24)।
- **PMMVY**: पूरे देश में **10% से भी कम कवरेज**।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी / Union Cabinet approves the Revised Waqf (Amendment) Bill, 2024

संदर्भ:

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024** को मंजूरी दी, जिसमें **संयुक्त संसदीय समिति (JPC)** द्वारा सुझाए गए प्रमुख बदलाव शामिल हैं। यह विधेयक **वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार** लाने के उद्देश्य से संसद के **बजट सत्र** में पेश किया जाएगा।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रमुख संशोधन:

1. वक्फ संपत्तियों का नियमन:

- वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और नियमन के लिए कानूनी ढांचा मजबूत किया गया।
- अवैध अतिक्रमण और वक्फ भूमि के दुरुपयोग को रोकने पर जोर।

2. प्रशासनिक परिवर्तन:

- वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण की जिम्मेदारी **कलेक्टर या उप-कलेक्टर** स्तर के अधिकारी को सौंपी जाएगी।

3. सरकारी निगरानी:

- केंद्र और राज्य सरकारों की भूमिका को मजबूत किया गया।
- प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करने के लिए नए प्रावधान जोड़े जा सकते हैं।

4. पारदर्शिता और जवाबदेही:

- वक्फ बोर्ड की भूमिका को मजबूत कर रिकॉर्ड-कीपिंग को बेहतर बनाया जाएगा।
- डिजिटल रिकॉर्ड को अनिवार्य करने पर जोर, जिससे **भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन रोका जा सके**।

संयुक्त संसदीय समिति (JPC) द्वारा प्रस्तावित प्रमुख बदलाव

1. महिलाओं और OBC सदस्यों को शामिल करना:

- **राज्य वक्फ बोर्ड (धारा 14) और केंद्रीय वक्फ परिषद (धारा 9)** में दो मुस्लिम महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य।
- **मुस्लिम OBC समुदाय** से एक सदस्य को भी राज्य वक्फ बोर्ड में शामिल किया जाएगा।

2. विशेष समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड:

- राज्य सरकार **आघाखानी और बोहरा समुदायों** के लिए अलग वक्फ बोर्ड बना सकती है।

3. महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों की रक्षा: **पारिवारिक वक्फ (Waqf Alal Aulad)** में महिलाओं के **उत्तराधिकार अधिकारों की सुरक्षा** की जाएगी।

- कोई भी **वक्फ दाता (Waqif)** संपत्ति तभी दान कर सकेगा जब **महिला वारिसों को उनका उचित हिस्सा मिल जाए**।

4. विवाद निपटान प्रक्रिया: किसी संपत्ति के वक्फ होने या सरकारी स्वामित्व में होने के विवाद को **जिला कलेक्टर** हल कर सकेगा।

- इससे **विवाद समाधान प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी**।

5. टेक्नोलॉजी का उपयोग: सभी वक्फ संपत्तियों का विवरण **6 महीनों के भीतर एक केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा**।

- इससे **पारदर्शिता और जवाबदेही** सुनिश्चित होगी।

वक्फ क्या है?

- **वक्फ** उन संपत्तियों को कहा जाता है जो **इस्लामी कानून** के तहत **धार्मिक या परोपकारी उद्देश्यों** के लिए समर्पित होती हैं। इन संपत्तियों का **अन्य किसी भी उद्देश्य के लिए उपयोग या बिक्री प्रतिबंधित** होती है।
- वक्फ संपत्तियाँ **अल्लाह के नाम समर्पित** होती हैं और इनका प्रबंधन एक नियुक्त **'मुतवल्ली'** द्वारा किया जाता है।
- **भारत में 8.7 लाख वक्फ संपत्तियाँ** हैं, जो **9.4 लाख एकड़ भूमि** में फैली हुई हैं। भारत **विश्व में सबसे बड़ा वक्फ संपत्ति धारक** देश है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के बारे में

- **वक्फ अधिनियम, 1995** मुस्लिम समुदाय द्वारा **धार्मिक, शैक्षिक और परोपकारी उद्देश्यों** के लिए दी गई वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करता है।
- **वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024** वक्फ संपत्तियों के **प्रबंधन और निगरानी** से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने और **वक्फ बोर्डों की कार्यक्षमता बढ़ाने** के लिए लाया गया है।

आदित्य-L1 पेलोड ने सौर फ्लेयर 'कर्नेल' की पहली छवि कैप्चर / Aditya-L1 payload captures first image of solar flare 'kernel'

संदर्भ:

Aditya-L1, भारत के पहले अंतरिक्ष-आधारित सौर मिशन, ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके **Solar Ultraviolet Imaging Telescope (SUIT)** ने पहली बार **निचले सौर वातावरण** (फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर) में **सौर फ्लेयर 'कर्नेल'** की तस्वीर कैप्चर की है।

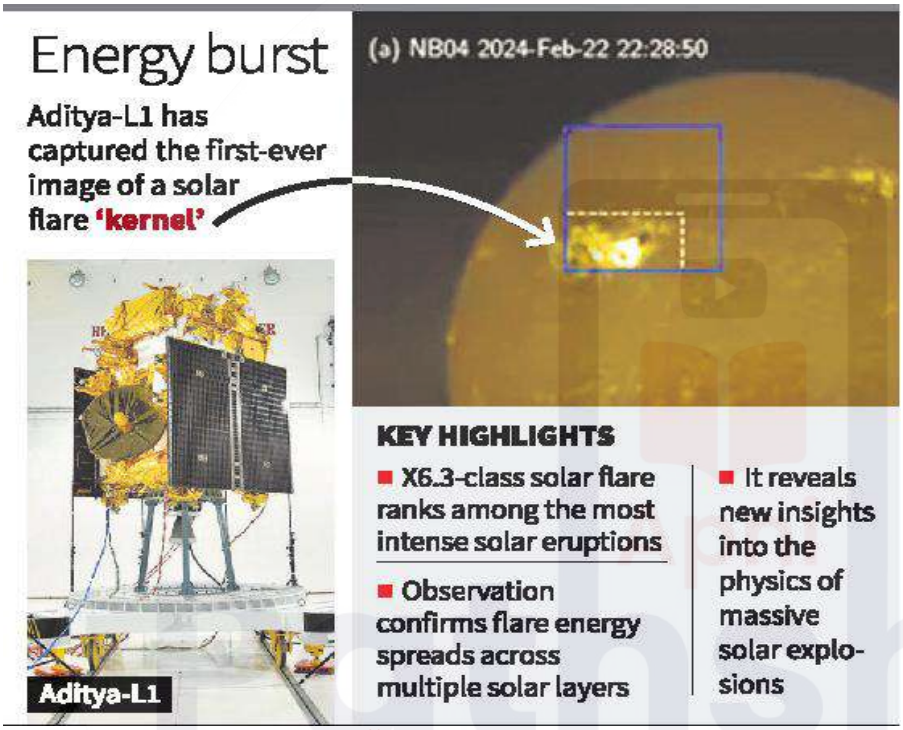

सौर ज्वाला (Solar Flare) क्या है?

- **सौर ज्वाला** सूर्य के वायुमंडल से निकलने वाली **अचानक और तीव्र ऊर्जा** का विस्फोट है।
- यह घटना सूर्य के **चुंबकीय क्षेत्र (Magnetic Field)** में अचानक बदलाव के कारण होती है।
- जब सूर्य का चुंबकीय क्षेत्र अचानक टूटता है, तो **तीव्र ऊर्जा का उत्सर्जन** होता है, जो **शॉर्ट फ्लैश (Short Flash)** की तरह दिखता है।
- ये **एक्स-रे (X-rays) और अल्ट्रावायलेट (Ultraviolet) विकिरण** छोड़ते हैं, जिससे **अंतरिक्ष मौसम प्रभावित** होता है और **सैटेलाइट संचार, जीपीएस और पावर ग्रिड** बाधित हो सकते हैं।
- **सौर ज्वालाएँ मुख्य रूप से सूर्य के धब्बों (Sunspots)** से उत्पन्न होती हैं और **तीव्रता के आधार पर A, B, C, M और X श्रेणियों** में वर्गीकृत की जाती हैं।

Aditya-L1 और सौर ज्वालाएँ (Solar Flares) का अध्ययन:

कैसे अध्ययन करता है Aditya-L1?

1. **SUIT (Solar Ultraviolet Imaging Telescope):** सूर्य के निचले वायुमंडल (lower solar atmosphere) की **पराबैंगनी (UV) छवियाँ** कैप्चर करता है।
2. **SoLEXS (Solar Low Energy X-ray Spectrometer) और HEL1OS (High Energy L1 Orbiting X-ray Spectrometer):**
   - सौर **एक्स-रे उत्सर्जन** की निगरानी करते हैं, जिससे सौर ज्वालाओं का पता लगाया जा सकता है।
3. **L1 बिंदु से निरंतर अवलोकन:** यह उपग्रह **सौर गतिविधि की वास्तविक समय (real-time) की तस्वीर** प्रदान करता है।

Solar Ultraviolet Imaging Telescope (SUIT) क्या है?

- यह **Aditya-L1** पर स्थित एक विशेष टेलीस्कोप है।
- इसे **IUCAA (Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics), पुणे** द्वारा विकसित किया गया है।
- यह **11 विभिन्न NUV (Near-Ultraviolet) तरंगदैर्घ्य** में उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियाँ लेता है।
- सूर्य के **प्रकाशमंडल (Photosphere) और क्रोमोस्फियर (Chromosphere)** का विस्तृत अध्ययन करता है।

SUIT की हालिया खोजें:

- SUIT ने **X6.3-श्रेणी (Class X6.3) की सौर ज्वाला** देखी, जो अब तक दर्ज की गई सबसे तीव्र ज्वालाओं में से एक है।
- **200-400 nm NUV बैंड** में तेज़ी से चमक देखी गई, जो पहली बार इतनी बारीकी से अध्ययन किया गया।
- इसने स्पष्ट रूप से **सौर सतह से कोरोना तक ऊर्जा संचरण** के प्रमाण दिए।

आर्द्रभूमि संरक्षण को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता / The Necessity of Mainstreaming Wetland Conservation

संदर्भ:

मेघालय हाईकोर्ट ने हाल ही में **स्वत: संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका (PIL)** दायर की है, जिससे राज्य में **आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण** की निगरानी की जाएगी। यह कदम **पर्यावरण संतुलन** में आर्द्रभूमियों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाता है।

वेटलैंड्स के बारे में:

- **प्राकृतिक गुर्दे:** वेटलैंड्स को अक्सर "पृथ्वी की गुर्दे" कहा जाता है क्योंकि ये **पर्यावरणीय संतुलन** बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **मुख्य कार्य:**
  - **जैव विविधता संरक्षण**
  - **जल शुद्धिकरण**
  - **जलवायु विनियमन**
- **इकोसिस्टम्स:** इसमें **दलदली क्षेत्र, स्वाम्प, झीलें, बाढ़ मैदान, मैंग्रोव** और **तटीय लैगून** शामिल हैं, जो विविध प्रकार के पौधे और जीवों का आवास हैं।
- **भौगोलिक क्षेत्रफल:** वेटलैंड्स भारत के कुल भूभाग का लगभग **4.8%** हिस्सा बनाते हैं।
- **जीवनयापन:** अनुमानित **6%** भारतीय जनसंख्या सीधे वेटलैंड्स पर निर्भर करती है।

वेटलैंड्स का महत्व:

- **जैव विविधता संरक्षण:** वेटलैंड्स विभिन्न प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करते हैं।
- **जल चक्र का संतुलन:** वर्षा जल को संचित कर बाढ़ नियंत्रण में मदद करते हैं।
- **कार्बन सिंक:** ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करते हैं।
- **वैश्विक विस्तार:** वेटलैंड्स पृथ्वी के लगभग **6% (12.1 मिलियन वर्ग किलोमीटर)** क्षेत्र में फैले हैं।
- **पर्यावरणीय सेवाएँ:** वेटलैंड्स का योगदान वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में लगभग **40.6%** है।
- **जल शुद्धिकरण:** प्रदूषकों को छानकर जल को स्वच्छ बनाने में सहायक।
- **अंतरराष्ट्रीय संरक्षण:**
  - **रामसर कन्वेंशन (1971):** वेटलैंड्स के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनाया गया।
  - **विश्व वेटलैंड्स दिवस (2 फरवरी):** वेटलैंड्स के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता है।
  - **2023 की थीम:** *"हमारे साझा भविष्य के लिए वेटलैंड्स की सुरक्षा"*, जो सतत विकास और **ब्रंटलैंड रिपोर्ट (1987)** में उल्लिखित पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को दर्शाती है।

वेटलैंड्स के लिए ख़तरे:

1. **मानव गतिविधियाँ:**
   - जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण से वेटलैंड्स का अतिक्रमण बढ़ रहा है।
   - भूमि की बढ़ती मांग के कारण वेटलैंड्स को कृषि और निर्माण कार्यों के लिए नष्ट किया जा रहा है।
2. **जलवायु परिवर्तन:**
   - बढ़ते तापमान और वर्षा पैटर्न में बदलाव वेटलैंड्स की प्राकृतिक प्रणाली को प्रभावित कर रहे हैं।
   - समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय वेटलैंड्स पर खतरा बढ़ है।
3. **वेटलैंड्स का ह्रास:**
   - **1900 के बाद से 50% वेटलैंड्स नष्ट हो चुके हैं।**
   - **1970-2015 के बीच 35% वेटलैंड्स का क्षरण हुआ**, जो प्राकृतिक वनस्पतियों के नुकसान की दर से अधिक है।
   - **1970 से अब तक 81% अंतर्देशीय और 36% तटीय वेटलैंड प्रजातियों की संख्या में गिरावट आई है।**

वैश्विक संरक्षण पहलें:

1. **वैश्विक रणनीतियों के साथ एकीकरण:**
   - वेटलैंड संरक्षण को सतत विकास के लिए आवश्यक माना जा रहा है।
   - **रैमसर कन्वेंशन के COP14 (2022)** ने वेटलैंड संरक्षण को व्यापक पर्यावरण नीतियों से जोड़ने पर जोर दिया।

2. **प्रमुख अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव:**
   - **सतत विकास लक्ष्य (SDGs):** वेटलैंड्स जल सुरक्षा, जैव विविधता और जलवायु अनुकूलन में योगदान देते हैं।
   - **वैश्विक जैव विविधता लक्ष्य:** वेटलैंड संरक्षण से जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलती है।
   - **संयुक्त राष्ट्र पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन दशक:** वेटलैंड्स पुनर्स्थापन के लिए प्राथमिकता दी जा रही है।
   - **जलवायु परिवर्तन शमन:** वेटलैंड्स कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं और बाढ़ नियंत्रण में मदद करते हैं।
   - **रैमसर रणनीतिक योजना:** वेटलैंड्स के प्रबंधन के लिए नीतियों को मजबूत करने, वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों के साथ समन्वय करने की आवश्यकता है।

कोप16 / COP16

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र के **COP16 जैव विविधता सम्मेलन** में रोम में एक ऐतिहासिक समझौता किया गया है, जिसके तहत **प्राकृतिक संरक्षण के लिए अरबों डॉलर जुटाने** पर सहमति बनी है। यह निर्णय **वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण** और **जैव विविधता की रक्षा** के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

COP16 के प्रमुख बिंदु

1. **Cali Fund और जैव विविधता संरक्षण के लिए वित्तीय रणनीति**
   - **Cali Fund की स्थापना**: डिजिटल अनुक्रम जानकारी (DSI) के उचित लाभ-साझाकरण को बढ़ावा देने के लिए।
   - **उद्देश्य**: Kunming-Montreal Global Biodiversity Framework (KMGBF) के कार्यान्वयन के लिए धन जुटाना।
   - **50% धनराशि**: जैव विविधता संरक्षण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वदेशी समुदायों को दी जाएगी।
2. **वैश्विक जैव विविधता वित्तपोषण रणनीति**
   - **2030 तक** हर साल **200 बिलियन USD** जुटाने का लक्ष्य।
   - **2025 तक** अंतरराष्ट्रीय प्रवाह से **20 बिलियन USD** जुटाने की प्रतिबद्धता।
   - **Articles 21 और 39** के तहत वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने का निर्णय।
3. **वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) का योगदान**
   - **$3 बिलियन** जैव विविधता लक्ष्यों के लिए आवंटित।
   - **अतिरिक्त $22 बिलियन** जुटाए गए, जिसमें **$1.9 बिलियन निजी क्षेत्र** से आया।
4. **भविष्य की योजना**
   - **COP17 (2026)** में **पहली वैश्विक जैव विविधता प्रतिबद्धता समीक्षा** होगी।
   - **मेजबान देश**: आर्मेनिया।

COP16 में लिए गए प्रमुख निर्णय

1. **संसाधन जुटाने की रणनीति (Resource Mobilization Strategy)**
   - **राष्ट्रीय सरकारों, निजी क्षेत्र और बहुपक्षीय विकास बैंकों** से वित्तीय योगदान सुनिश्चित करना।
   - **ब्लेंडेड फाइनेंस** जैसे नवाचार वित्तीय तंत्र का उपयोग करना।
2. **वैश्विक निगरानी ढांचा (Global Monitoring Framework)**
   - **23 लक्ष्यों और 4 उद्देश्यों** की प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली स्थापित की गई।
3. **ग़ैर-सरकारी प्रतिबद्धताओं को शामिल करना (Inclusion of Non-Governmental Commitments)**
   - **युवा, स्वदेशी समुदाय और निजी क्षेत्र** जैसी विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को समीक्षा तंत्र में शामिल किया गया।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

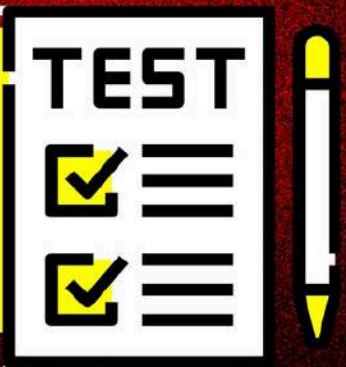

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !